JAGRAN Josh your guide to success

WWW.JAGRANJOSH.COM

उत्तराखंड राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा: 2011 हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम

HINDI LITERATURE

प्रथम–प्रश्न पत्र : भाग–1

हिन्दी भाषा/हिन्दी की बोलियां/उत्तरांचल की बोलियां/नागरी लिपि का इतिहास

1. पाली/प्राकृत एवं अपभ्रंश एवं पुरानी हिन्दी का संक्षिप्त अध्ययन। 2. अल्पकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास। 3. खड़ी बोली गद्य भाषा का विकास। 4.हिन्दी भाषा का क्षेत्र/पूर्वी हिन्दी–पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का संक्षिप्त परिचय। 5. कुमाऊंनी और गढ़वाली भाषा का संक्षिप्त परिचय। 6.राजभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं मानक भाषा के रूप में हिन्दी और हिन्दी का अन्तराष्ट्रीय संदर्भ। 7. वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा की स्थिति। 8. मानक हिन्दी का व्याकरणिक स्वरूप। 9. हिन्दी की शब्द सम्पदा। 10. नागरी लिपि का उद्भव और विकास। देवनागरी लिपि की समस्याएं और समाधान के सुझाव।

भाग–2

हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा। 2. हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन और नामकरण। 3. आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियां। 4. आधुनिक काल : पुनर्जागरण और भारतेन्दुकाल, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और परवर्ती अधुनातन काव्य धाराएं, उत्तर आधुनिकतावाद और भूमंडलीकरण। (क) हिन्दी उपन्यास, हिन्दी कहानी, नई कहानी, समकालीन कहानी, उद्भव एवं विकास एवं अधुनातन प्रवृत्तियां, नयी रंग चेतना। (ख) हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएं – रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त। (ग) हिन्दी आलोचना का प्रारम्भ और विकास, प्रमुख आलोचक – रामचंद्र शुक्ल, पीताम्बर दत्त बड़थ्व :, नंद दुलारे वाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नगेन्द्र, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रमेशचन्द्र शाह। (घ) मध्य हिमालय का लोक साहित्य (गढ़वाल, कुमाऊं के विशेष संदर्भ में संक्षिप्त जानकारी) (ड.) (1) हिन्दी साहित्य में उत्तरांचल के साहित्यकारों का योगदान। (2) हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास एवं हिन्दी पत्रकारिता को उत्तरांचल का योगदान।

द्वितीय प्रश्न–पत्र

प्रथम–भाग

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं में से व्याख्या एवं उन पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाऐंगे।

कबीर ग्रंथावली : सम्पादक–श्याम सुंदरदास, साखी (संख्या 1 से 100 तक) और सबद (पद) (1 से 20 तक)।

सूरदास–भ्रमरगीत सार प्रारम्भ से एक सौ पद तक।

तुलसीदास–रामचरित्र मानस उत्तरकाण्ड।

जायसी (पद्मावत) संपादक–रामचन्द्र शुक्ल। सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड।

बिहारी संग्रह प्रारम्भ से 100 दोहे तक

मैथिलीशरण गुप्त	–	भारत भारती
जयशंकर प्रसाद	–	कामायनी–श्रृद्धासर्ग
सुमित्रानंदन पन्त	–	"परिवर्तन"
निराला	–	राम की "शक्ति पूजा"
अज्ञेय	–	असाध्यवीणा
दिनकर	–	कुरूक्षेत्र
नागार्जुन	–	"बादल को घिरते देखा है"
चंद्रकुंवर वर्त्वाल–	–	हिमवंत के प्रति "शीर्षक कविता" महादेवी वर्मा द्वारा संपादित "हिमालय " में संकलित।

द्वितीय भाग

भारतेन्दु हरिश्चंद्र	–	भारत दुर्दशा
जयशंकर प्रसार	–	"स्कंदगुप्त"
रामचंद्र शुक्ल	–	चिंतामणि–भाग–1 ("कविता क्या है?")

पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के श्रेष्ठ निबंध सं0 गोविंदचातक "उत्तराखण्ड में संतमत और संत साहित्य"।

प्रेमचन्द	–	गोदान
जैनेन्द्र कुमार	–	सुखदा
शैलेष मटियानी	–	"छोटे–छोटे पक्षी"–विभा प्रकाशन, इलाहाबाद
हिन्दी कहानी के 18 कदम	–	सं0 बटरोही– सम्पादक वाणी प्रकाशन